केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 194 शुक्रवार 7 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

फ्लैट रजिस्ट्री के नाम पर धोखाधड़ी, मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फ्लैट की रजिस्ट्री करने के नाम पर 25 लाख रुपये के गोलमाल का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी कर रुपये हड़पने के आरोप में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मुंडेरवा थाने के कुरियार निवासी निवासी आशाराम ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि विपक्षी ने फ्लैट देने के नाम पर 25 लाख रुपये उनसे ले लिया। कहा कि जनवरी 2019 में फ्लैट की रजिस्ट्री करा देंगे। लेकिन तय समय बीतने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं कराई। पूछने पर टालमटोल करने लगा और 25 लाख रुपये हड़प लिया। कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी व एक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दिनेशमणि तिवारी निवासी आशियाना कालोनी, छेदी पार्क के सामने, कानपुर रोड लखनऊ के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

अभी अधर में हैं कई गांवों की घरौनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सदर तहसील बस्ती के 18 गांवों में घरौनी बनने की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। कारण यहां पर ड्रोन फ्लाईंग की कार्रवाई पूरा नहीं किया जा सका। इस कारण घरौनी के लिए डाटा तैयार नहीं हो पाया। इस पर राजस्व परिषद ने भी आपत्ति जताई थी। सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती ने एसडीएम सदर को पत्र लिखकर ड्रोन फ्लाईंग नहीं हो पाने का कारण पूछा है। एसडीएम सदर को भेजे पत्र में सीआरओ ने कहा कि सदर तहसील के 18 गांवों में स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन फ्लाईंग की कार्रवाई पूरी नहीं हुई। इस कारण घरौनी का निर्धारण नहीं हो पाया। इस पर आयुक्त राजस्व परिषद ने आपत्ति जताई है। राजस्व परिषद ने अभी तक ड्रोन फ्लाईंग नहीं होने का कारण जानना चाहा है। यह पूछा है कि क्या यह गांव नगर पालिका या नगर पंचायत क्षेत्र में हैं। गैर आबाद हैं या आबादी हैं। चकबंदी व क्या कारण रहा कि अभी तक ड्रोन फ्लाईंग नहीं हो पाया है। सीआरओ ने एसडीएम सदर से तीन दिनों में इसका विवरण कारण सहित पूछा है।

बस्ती सदर तहसील के महरीपुर कला, कैथौरा, जयपुर, धुसनाखोर, फैलवा, बैजीपुर, बढ़ौनी, बनकटी, बरोहिया कला, भरवलिया, मथौली, बांसापार, शंकरपुर, सजनाखोर, चकदूलम, देईसांड, रानीपुर, देवनापुर शामिल हैं। ज्ञात हो कि इसमें से अधिकांश गांव नगर पंचायत बनकटी में शामिल हो गए हैं।

अयोध्या–बस्ती हाईवे पर भारी वाहनों का आवागमन बहाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में रूट डायवर्जन बुधवार की देर रात 11 बजे से समाप्त हो गया। इसके साथ ही 27 जनवरी से प्रभावी डायवर्जन भी समाप्त कर दिया जाएगा। हालांकि भारी वाहनों को छोड़ अन्य वाहनों का आवागमन हाईवे पर पहले से शुरू हो चुका है। यातायात पुलिस के मुताबिक रूट डायवर्जन बुधवार की रात 11 बजे तक भारी वाहनों के लिए प्रभावी रहेगा। इसके बाद फोरलेन को पूरी तरह खोल दिया जाएगा। अयोध्या में भीड़ का दबाव बढ़ने के साथ ही मौनी अमावस्या का रूट डायवर्जन 27 जनवरी से ही लागू कर दिया गया था। पहले भारी वाहनों को रोका गया और बाद सभी वाहनों पर पाबंदी लगा दी गई। अयोध्या में भीड़ का दबाव घटने के साथ ही छोटे चार पहिया वाहन व श्रद्धालुओं के वाहनों को जाने की छूट दे दी गई। बसंत पचंमी के चलते भारी वाहनों का रूट डायवर्जन पांच फरवरी तक बढ़ा दिया गया था।

भारतीयों के साथ अपराधियों जैसा बर्ताव कर रहा अमेरिकाः विपक्ष ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (आभा)। बजट सत्र के पांचवें दिन अमेरिका से भारतीयों के डिपोर्टेशन मुद्दे पर संसद में जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने 'सरकार शर्म करो' के नारे लगाए। इसके बाद दोनों सदन की कार्यवाही स्थगित कर दिया गया। विपक्षी सांसदों ने मकर द्वार पर हथकड़ी लगाकर प्रदर्शन भी किया।

दरअसल, अमेरिकी सैन्य विमान सी–17 ग्लोबमास्टर 5 फरवरी को दोपहर 1 बजे 104 अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर अमृतसर के गुरु रविदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा था। इस दौरान नागरिकों के हाथ में हथकड़ी और पैरों में चेन बांधी गई थी। इसकी तस्वीरें सामने आने के बाद देशवासियों में आक्रोश है। जब की केंद्र की मोदी सरकार ने चुपी साध ली है।

विपक्षी सांसदों ने इसी दुर्व्यवहार को लेकर संसद में प्रदर्शन किया। कुछ सांसद हाथों में हथकड़ी पहने नजर आए। पोस्टर भी लहराए जिसमें लिखा था– बेड़ियों में हिंदुस्तान, नहीं सहेंगे ये अपमान।

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने एक ट्वीट में लिखा कि, 'अमेरिका से भारतीय नागरिकों को जिस अमानवीय तरीके से भारत भेजा गया है। उनके हाथों में हथकड़ी और पैरों में जंजीर थी। ये बेहद ही शर्मनाक है। ये विश्व पटल पर भारत और भारतीयों का अपमान है। इण्डिया गठबंधन के नेताओं ने इस गंभीर मुद्दे पर नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की खामोशी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।'

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि बहुत बात की गई थी कि मोदी जी और ट्रम्प जी बहुत अच्छे मित्र हैं, फिर मोदी जी ने ऐसा क्यों होने दिया? क्या इंसानों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है कि उनको हथकड़ियां और बेड़ियां पहनाकर भेजा जाए? ये कोई तरीका है। प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा– जो लोग भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना दिखा रहे थे, वे अब चुप क्यों हैं? भारतीय नागरिकों को गुलामों की तरह हथकड़ी लगाकर और अमानवीय परिस्थितियों में भारत भेजा जा रहा है। विदेश मंत्रालय क्या कर रहा है? विपक्ष को संसद में इस मुद्दे पर चर्चा करने दे।'

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि, 100 से ज्यादा भारतीयों को अमेरिका से बाहर निकालने पर पूरा देश हैरान है। यह मानवाधिकारों का उल्लंघन है। सरकार इस पर चुप क्यों है। भारत ने इस अमानवीय व्यवहार की निंदा क्यों नहीं की। बताया जा रहा है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर इस मुद्दे पर राज्यसभा में दोपहर 2 बजे जवाब देंगे।

संसद में विपक्षी सांसदों ने विदेश मंत्री से पूछा कि क्या पीएम मोदी अगले हफ्ते राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात के दौरान इस मुद्दे को उनके सामने उठाएंगे? कुछ सांसदों ने पूछा कि अगर कोलंबिया जैसा छोटा देश अपने नागरिकों को सम्मानजनक तरीके से वापस लाने के लिए विमान भेज सकता है, तो भारत क्यों नहीं?

कांग्रेस रंग बदलने में माहिर– मोदी

नई दिल्ली (आभा)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज फिर विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला और कहा कि कांग्रेस के मॉडल में फैमिली फर्स्ट है, जबकि हमारे लिए नेशन फर्स्ट है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को आज जबरन श्जय भीमश् बोलना पड़ रहा है और ऐसा करते हुए उनका मुंह सूख जाता है। उन्होंने कटाक्ष किया कि कांग्रेस रंग बदलने में माहिर है।

पीएम मोदी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के प्रति कांग्रेस को कितनी नफरत थी, कितना गुस्सा था, इसका प्रमाण यही है कि कांग्रेस ने बाबा साहब को दो–दो बार चुनाव हराने के लिए क्या कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी बाबा साहब को भारत रत्न के योग्य नहीं समझा, जबकि इस देश के लोगों ने बाबा साहब की भावना का सम्मान किया। पीएम ने कहा कि जब सर्व समाज ने बाबा साहेब को सम्मान दिया तो आज मजबूरन कांग्रेस को जय भीम बोलना पड़ रहा है। उनका मुंह सूख जाता है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस रंग बदलने में माहिर है। ये लोग कितनी तेजी से अपना नकाब बदल देते हैं, ये साफ–साफ नजर आ रहा है। पीएम ने कहा कि हमारा मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास है, जबकि कांग्रेस दूसरों की खींची लकीर छोटी करती है।

दलित मदनलाल के मौत का मामला गरमायाः पीड़ित परिजनों से मिले बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जोगिया गांव पहुंचकर मदनलाल के परिजनों से मुलाकात किया। कहा कि मदनलाल की हत्या हुई या सामान्य मौत है पार्टी इसे लेकर गंभीर है और पीड़ित परिवार को बसपा हर संभव न्याय दिलायेगी। उन्होने सीओ और थानाध्यक्ष से भी बातचीत किया। बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दलित मदनलाल की मौत पूरी तरह से संदिग्ध है और ऐसा लगता है कि उसकी हत्या की गई है। कहा कि बसपा पीड़ित परिवार के साथ है। मांग किया कि मदनलाल के मौत प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों को दण्ड दिलाया जाय। मदनलाल घर का कमाऊ बेटा था। सरकार गरीब परिवार को मुआवजा दे। उन्होने मदनलाल के पिता चन्द्रिका प्रसाद और परिजनों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में बसपा उनके साथ है। कहा कि 29 जनवरी को घटित घटना में अभी तक दोषियों को गिरफ्तार न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

यह जानकारी देते हुये बसपा जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम ने बताया कि बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल के साथ राष्ट्रीय महासचिव पूर्व राज्यसभा सदस्य मुनकाद अली, अनेक मण्डलों के मुख्य मण्डल प्रभारी, कल्पनाथ बाबूजी, राम सूरत चौधरी, भगवानदास, लवकुश पटेल, संजय धूसिया, सीताराम शास्त्री, लालचन्द निषाद, धर्मदेव प्रियदर्शी, राजेन्द्र गौतम, यशवन्त निगम, अतर सिंह, राम सागर, ओम प्रकाश गौतम, आशुतोष सिंह, दीपक कुमार, प्रमोद कुमार, अलीम अहमद, विष्णु आनन्द, आर.डी. प्रेमी, रामकरन गौतम, प्रेमदसागर, रामदास, राम सरोज, रामचेत निराला, शैलेन्द्र गौतम, राम फेर गौतम, दिवाकर कपूर, देशराज गौतम, भवानीभीख, राजू राव, प्रदीप गौतम, नवमी प्रसाद, गुलाब चन्द्र राव, अजय कुमार गौतम, नायब चौधरी लाल बहादुर, श्याम भवन के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

–दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई, दुःखी परिवार को मुआवजा देने की मांग

डीएम ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण

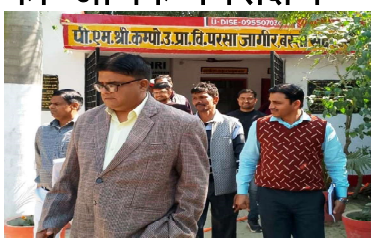

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने पी.एम.श्री. कम्पो. उच्च प्राथमिक विद्यालय परसा जागीर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि गत निरीक्षण के सापेक्ष बहुत सुधार है एवं प्रथम दृष्टया गुणवत्ता बहुत सही है तथा निर्माण कार्य पूर्णता के निकट है। उन्होने देखा कि विद्यालय के द्वारा पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाओं का वास्तविक प्रयोग बखूबी किया जा रहा है तथा छात्रों से सामान्य गणित एवं सामान्य ज्ञान पर प्रश्न पूछे गए, तो उत्तर संतोषजनक मिला।

उन्होने मिड–डे–मील चख कर देखा और गुणवत्ता अच्छा पाया।

छात्रों ने बताया कि उन्हें अतिरिक्त सामग्री जैसे दूध, फल एवं चिक्की समय से प्राप्त हो रही है। प्रधानाचार्य एवं उनके अभियन्ता के रूप में क्वालिफाइड सहायक अध्यापक (जो कि स्मार्ट क्लास के संचालन में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं) की प्रशंसा की गई। उन्होने देखा कि विद्यालय परिसर की इण्टरलाकिंग खराब है। इस स्थिति पर खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि इसे ठीक करवाने का आगणन बनवा कर नियमानुसार पूर्ण करवाएँ। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जमीनी विवाद में चाचा, भतीजे की हत्या

बलिया (आभा)। यूपी के बलिया में एक साथ दो लोगों की हत्या क दी गई है। यहां के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के खरीद गांव में चाचा–भतीजा को पड़ोदारों ने घर में घुसकर मार डाला। दोनों की लाठी–डंडा और धारदार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतारा गया है। चाचा की उम्र 42 साल और भतीजे की 24 साल थी। घटना में दो लोग घायल हैं। वारदात की जानकारी मिलने पर एसपी भी मौके पर पहुंचे और छानबीन की है। दोनों परिवारों में कई साल से विवाद चल रहा था।

शोभावती अध्यक्ष, शशि महामंत्री घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ऑल इण्डिया आशा अधिकार मंच की बैठक गुरूवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय की उपस्थिति में परसुरामपुर पीएचसी पर सम्पन्न हुआ। बैठक के बाद सर्व सम्मत से शोभावती दूबे परसुरामपुर ब्लाक अध्यक्ष, बिन्दुलता पाण्डेय, पार्वती सिंह, सुनीता कन्नौजिया, उपाध्यक्ष, शशि पाठक महामंत्री, इन्द्रावती पाल, सरस्वती देवी, हिरनमयी पाण्डेय, मीरा सिंह मंत्री, लतावती देवी कोषाध्यक्ष और रेखा देवी को मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय और श्वोतांक शेखर सिंह ने पदाधिकारियों में प्रमाण–पत्र वितरित किया। कहा कि आशा बहू पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का पालन करें। उन्होने आशा बहुओं का आवाहन किया कि वे 9 फरवरी को हर्रैया के 100 बेड वाले हास्पिटल के परिसर में संगठन के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लें।

कब्र से निकाली गई युवती की लाश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में रुधौली थाना क्षेत्र के थुमहवा पांडेय गांव की एक महिला का शव कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. परिजनों ने युवती की मौत के बाद शव को दफना दिया था. भानपुर तहसीलदार पंकज गुप्ता ने बताया कि जिलाधिकारी की बनाई टीम के सामने युवती के शव की खुदाई की गई है।

रुधौली थाना क्षेत्र के थुमहवा पांडेय ग्राम पंचायत के राजस्व गांव सुगिया में 31 जनवरी की रात्रि 25 वर्षीय महिला लक्ष्मी देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी जिसे परिजनों ने दफना दिया था , लक्ष्मी देवी की मौत के बाद ग्रामीणों में उसकी हत्या की आशंका जताई गई थी जिसके बाद गांव के चौकीदार ने मामले की सूचना स्थानीय थाने पर दी थी जिसे जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने संज्ञान में लेकर टीम गठित कर शव की खुदाई कर पोस्टमार्टम करवाने के निर्देश दिए हैं

बता दें कि गांव के ही मोहम्मद इस्लाम के खिलाफ लक्ष्मी देवी के परिजनों ने वर्ष 2017 में केश दर्ज करवाई थी जिसमे मोहम्मद इस्लाम के खिलाफ स्थानीय थाने में छेड़खानी और पास्को एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमें मोहम्मद इस्लाम की गिरफ्तारी हुई थी और वह जेल भेजा गया था 6 महीने बाद जेल से छूटने के बाद मोहम्मद इस्लाम ने लक्ष्मी से शादी कर ली थी जिसे वह गांव में ही लेकर रह रहा था इन दोनों के बीच दो बच्चे एक बेटा 5 साल और एक बेटी दो साल की है।

इस मौके पर तहसीलदार भानपुर पंकज गुप्ता , प्रभारी निरीक्षक रुधौली विजय दूबे मय फोर्स , फोरेंसिक टीम , ग्राम प्रधान पिंटू दूबे क्षेत्रीय लेखपाल सहित तमाम लोग मौजूद थे।

फर्जी जेई बताकर आवास के नाम पर ठग लिये डेढ़ लाखः मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरकारी आवास दिलाने के नाम एक दंपत्ति से डेढ़ लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने पहले फोन कर उनके नाम से सरकारी आवास निकलने की सूचना दी। इसके बाद एक जालसाज फर्जी जेई बनकर उनके घर पहुंचा। झांसे में लेने के लिए फर्जी जांचकर अभिलेख आदि ले लिया। भरोसे में लेने के बाद डेढ़ लाख रुपये लेकर चंपत हो गया। कोतवाल राणा देवेन्द्र सिंह ने बताया कि जेई व उसकी टीम के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है।

कोतवाली थानाक्षेत्र के करियापार राउत निवासी मतीबुन्निशा पत्नी गयासुद्दीन ने तहरीर देकर बताया है कि उनके पास दिसंबर 2024 में लखनऊ से एक फोन कॉल्स आया। फोन करने वाले खुद को सरकारी कर्मी बताते हुए कहा कि आपको सरकारी आवास मिलना है। इसके लिए आपके बैंक खाते में छह लाख 60 हजार रुपये भेजे जाएंगे। पैसा भेजने से पहले जेई स्तर से मौके की जांच की जाएगी।

आवास मिलने की चाहत में दंपत्ति उनके बिछाए जाल में फंस गए। गयासुद्दीन ने बताया कि इसके बाद जांच के नाम पर एक व्यक्ति कुछ दिन बाद उनके घर पर आया। उसने फोटो आदि खींचने के साथ ही अन्य जानकारी ली। बोला कि आपके खाते में छह लाख 60 हजार रुपये आने में समय लगेगा। अगर आप 80 हजार रुपये दे दे तो यह काम जल्दी हो जाएगा।

आवास पाने की चाह में 80 हजार रुपये दे दिया। इसके बाद फिर वह व्यक्ति आया और बोला कि भुगतान खाते में आने के लिए 70 हजार रुपया सिक्योरिटी के तौर पर जमा करना होगा, जो आपको बाद में वापस मिल जाएगा। इसके बाद एसबीआई बैंक से 70 हजार रुपये और निकाल कर उसे दे दिया। बाद में जब आवास के नाम पर ठगी का अहसास हुआ तो पति–पत्नी कोतवाली पहुंचे और तहरीर दी। पुलिस आनंद जेई व उसकी टीम के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

अधिवक्ता को मिल गई नकली सीमेटः मामले की जांच, 15 लाख के मुआवजे की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधिवक्ता और विश्वज्ञान क्रान्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनहा थाना क्षेत्र के परसाखुर्द बुजुर्ग दरियापुर जंगल निवासी राजन चौधरी ने जिलाधिकारी को पत्र देकर शिकायत किया है कि उन्हें 500 बोरी नकली एसीसी सीमेन्ट दूकानदार द्वारा दे दिया गया जिससे उनके बाउन्ड्री और मकान की हालत खराब हो गई है। जब उन्होने इसकी शिकायत सोनहा थाना क्षेत्र के तेनुआ असनहरा करमहिया स्थित गोविन्द बिल्डिंग मैटेरियल के प्रोपराइटर गोविन्द पुत्र रामचन्द्र अग्रहरि से किया तो उन्होने कहा कि जिले से अधिकारी जायेंगे और जांच करेंगे कि सीमेन्ट असली है या नकली। राजन चौधरी ने कहा कि जिले से अभी तक जांच करने कोई नहीं आया। उन्होने टूटे फर्श को अल्ट्राटेक सीमेन्ट से बनवाया तो कोई शिकायत नहीं मिली।

पत्र में अधिवक्ता राजन चौधरी ने कहा है कि घटिया एसीसी सीमेन्ट से निर्माण करवाने के कारण लगभग 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। अधिवक्ता ने एसीसी सीमेन्ट के चेयरमैन गौतम अडानी से 15 लाख रुपये नुकसान के भरपाई की मांग करते हुये कहा है कि लोग बड़ी मुश्किल से पैसा जुटाकर निर्माण कराते हैं और नकली सीमेन्ट उनके लिये जानलेवा साबित हो रहा है। अधिवक्ता ने कहा है कि यदि नकली सीमेन्ट मामले की जांच कर प्रभावी कार्यवाही न की गई तो वे प्रकरण को सक्षम न्यायालय में ले जायेंगे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 फरवरी 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

प्रदूषण और बढ़ती बीमारियां

देश की लगातार खराब होती आबोहवा के बावजूद वायु प्रदूषण व्यापक राष्ट्रीय विमर्श का मुद्दा न बन पाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विडंबना यह है कि जन स्वास्थ्य से जुड़ा यह मुद्दा न तो चुनावी घोषणा पत्रों में नजर आता है और न ही नीति–नियंता ही इस विषय पर संवेदनशील नजर आते हैं। नागरिकों के स्तर पर भी हम वह जागरूकता नहीं ला पाए हैं, जिससे वे जनप्रतिनिधियों को वायु प्रदूषण रोकने के लिये कारगर नीति बनाने के लिये बाध्य कर सकें। हाल ही में सामने आए एक शोध का वह निष्कर्ष चौंकाने वाला है कि दक्षिण–पूर्व एशिया में धूम्रपान न करने वाले लोगों में भी फेफड़े के कैंसर के मामलों में खासी तेजी आई है। एक नया अध्ययन बताता है कि इस संकट की मूल वजह वायु प्रदूषण ही है। हाल ही में 'लैंसेट रेस्पिरेटरी मेडिसिन जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन में खुलासा किया गया है कि साल 2022 में पच्चीस लाख लोगों में इस बीमारी का पता चला था। हालांकि, इस कैंसर का शिकार होने वालों में ज्यादा संख्या पुरुषों की थी लेकिन महिलाओं की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई। वहीं दूसरी ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन की अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी यानी आईएआरसी समेत कई अन्य संगठनों के शोधकर्ताओं ने डेटा विश्लेषण के बाद निष्कर्ष दिया कि एडेनोकार्सिनोमा पुरुषों और महिलाओं में कैंसर का एक मुख्य कारक बनता जा रहा है। यानी ऐसा कैंसर जो बलगम और पाचन में मदद करने वाले तरल पदार्थ उत्पन्न करने वाली ग्रंथियों से शुरू होता है। वर्ष 2022 में दुनिया भर में कभी धूम्रपान न करने वाले लोगों के फेफड़ों के कैंसर के 53 से 70 फीसदी मामले इसी कारक की वजह से सामने आए हैं। यह विडंबना ही है कि जहां एक ओर दुनिया में धूम्रपान का प्रचलन कम होता जा रहा है, लेकिन उसके बावजूद धूम्रपान न करने वालों के फेफड़ों में कैंसर का अनुपात बढ़ रहा है। जो कैंसर से संबंधित मृत्यु का पांचवां प्रमुख कारण माना जाता है।

निश्चित रूप से दुनिया भर में व्याप्त वायु प्रदूषण के संकट से निबटने के लिये सामूहिक प्रयास व सत्ताधीशों की सक्रियता नजर नहीं आती। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्कीस लाख मौतें वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिंताजनक आंकड़े अकसर सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का आक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैप मानकों के अंतर्गत कार्रवाई फौरी तौर पर की जाती है। इसके बावजूद सूक्ष्म कणों यानी पीएम 2.5 का स्तर लगातार बढ़ता ही रहता है। सत्ताधीश इसके लिये पराली जलाने वाले किसानों को जिम्मेदार बताकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। हाल में आए एक अध्ययन में बताया गया है कि अक्तूबर–नवंबर में दिल्ली व एनसीआर में होने वाला ज्यादातर प्रदूषण काफी हद तक स्थानीय कारणों से उत्पन्न होता है। आकाश परियोजना के तहत जापान के एक शोध संस्थान द्वारा कराया गया एक अध्ययन शोध पत्रिका 'एनपीजे क्लाइमेट एंड एटमॉस्फेरिक साइंस' में प्रकाशित हुआ है। जिसमें वर्ष 2022 और 2023 के सितंबर से नवंबर महीनों के दौरान दर्ज किए गए अति सूक्ष्म कणों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। जिसके अंतर्गत पंजाब, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर में तीस सेंसर लगाए गए थे। अध्ययन बताता है कि सूक्ष्म कणों यानी पीएम–2.5 के समग्र स्तर में केवल 14 फीसदी योगदान पराली जलाने के मामलों का था। हालांकि, अध्ययन ने माना कि वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले ग्रैप की प्रभावशीलता नजर आई है। निश्चित रूप से स्वच्छ वायु के लिए सामाजिक परिवर्तनों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। साथ ही स्थानीय प्रदूषण के कारणों की सख्त निगरानी की भी जरूरत है।

शरणार्थी संकट, अमेरिका से भारतीयों की वापसी

—पुष्परंजन—

आगामी 12 और 13 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका का दौरा करेंगे। उससे पहले वे 11 फरवरी को फ्रांस जाएंगे। यह भी मोदी डिप्लोमेसी के लिए परीक्षा की घड़ी थी, कि अमेरिकी सेना का विमान उनकी यात्रा से पहले अवैध घोषित 205 नागरिकों को लेकर अमृतसर उतरा। हथकड़ी लगे 205 अवैध प्रवासी, इनमें 25 महिलाएं, 12 बच्चे। और सेना के उस विमान में केवल एक टॉयलेट। सोचिये, कितना अमानवीय है? मोदी सरकार फिर भी, 'मैं चुप रहूंगी' की मुद्रा में। अवैध भारतीय प्रवासी पहले भी गल्फ और यूरोप से डिपोर्ट किये गए हैं, मगर यह तरीका कितना सही था, जेनेवा कन्वेंशन भी भूल गए? और क्या भारत अपने यहां रहे शरणार्थियों के साथ ट्रम्प मॉडल अपनाये? क्या उन्हें भी सेना के विमानों द्वारा ढुलवाकर संबंधित देशों में भेजना शुरू करे?

दुनियाभर में शरणार्थियों, विस्थापित लोगों की स्थिति 2024 में, गुजरे सालों की अपेक्षा सबसे बदतर रही है। 'यूएन हाईकमिश्नर फॉर रिफ्यूजी' कार्यालय के उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी ने बताया था, कि पिछले वर्ष युद्ध, हिंसा, और उत्पीड़न के कारण 114 मिलियन लोग दुनियाभर में विस्थापित हुए। अमेरिका में उन दो लाख अफगानों की जान भी सांसत में है, जिन्हें जो बाइडेन प्रशासन ने बसने की अनुमति दी थी। ट्रम्प द्वारा शरणार्थी प्रवेश कार्यक्रम को निलंबित करने के बाद, अमेरिका में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे सीरिया–अफगानिस्तान समेत कई मुल्कों के नागरिकों का भाग्य अधर में लटक गया है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी, 'यूएनएचसीआर' का अनुमान था, कि दुनिया भर में 30 लाख शरणार्थियों को 2025 में पुनर्वास की आवश्यकता होगी। लेकिन, ट्रम्प के इस कदम से पुनर्वास पर एक बड़ा सवाल खड़ा हो चुका है। अमेरिका, यदि 'जेनेवा कन्वेंशन प्रोटोकॉल–टू' पर हस्ताक्षर किये होता, ट्रम्प या उनके पूर्ववर्ती जो बाइडेन इस तरह की जबरदस्ती नहीं कर पाते। गंभीर नागरिक संघर्षों में शामिल व्यक्तियों को मानवाधिकार सुरक्षा प्रदान करता है। सामूहिक दंड, यातना, व्यक्तिगत गरिमा पर आघात, अपमानजनक व्यवहार, बलात्कार, वेश्यावृत्ति के लिए बाध्य करने और किसी भी प्रकार के अभद्र हमले को प्रोटोकॉल–टू की धाराओं के जरिये प्रतिबंधित किया गया है।

ट्रंप, इस समय 'अमेरिका केवल अमेरिकन्स का है', का राष्ट्रवादी नारा लगा रहे हैं। मगर, यह भूल जाते हैं कि इस देश का निर्माण, बाहरी आबादी की बसावट से हुआ है। अमेरिका को किसने और कब उपनिवेश बनाया, इस सवाल पर लंबे समय से गरमागरम बहस चल रही है। माना जाता है, कि मूल अमेरिकी पूर्वोत्तर एशिया से आए थे। बाजा (कैलिफोर्निया) में हाल के शोध से पता चलता है, कि महाद्वीप की प्रारंभिक बसावट दक्षिण–पूर्व एशियाई लोगों द्वारा संचालित थी, जिन्होंने पहले ऑस्ट्रेलिया पर कब्जा कर लिया था, और फिर लगभग 13,500 साल पहले अमेरिका में फैल गए। यह पूर्वोत्तर एशिया से मंगोलॉयड लोगों के आने से पहले की बात है।

लेकिन, इस समय अमेरिका, 'खाता न बही, जो ट्रंप कहे वही सही' के मार्ग पर अग्रसर है। ट्रंप दरअसल, अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन से बड़ी लकीर खींचना चाहते हैं। जो बाइडेन प्रशासन ने पिछले वित्तीय वर्ष में 271,484 अवैध आप्रवासियों को निर्वासित किया था, जो 2014 के बाद से निर्वासन का उच्चतम रिकार्ड रहा है। लेकिन ट्रंप भी चेहरा देखकर, अवैध घोषित शरणार्थियों को सेना के विमान से ढो कर भेज रहे हैं। जो बाइडेन ने जून, अक्तूबर, और नवंबर, 2024 में तीन चार्टर उड़ानों के जरिये 350 चीनी नागरिकों को उनके देश वापस भेज दिया था। चीन के 37,908 मामले हैं, जबकि भारत में 17,940 मामले हैं। लेकिन, सेना का विमान? चीन के सन्दर्भ में व्हाइट हॉउस ऐसा 'एडवेंचर' नहीं करेगा।

पर सवाल है, क्या भारतीय विदेश मंत्रालय और वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारी ऐसी कार्रवाई से अनभिज्ञ थे? बहुत पुरानी बात नहीं, जब भारतीय संसद में अवैध प्रवासी भारतीय नागरिकों का सवाल उठा था। कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने विदेश मंत्री से चार सवालों के उत्तर मांगे थेकृ(क) 2019 से अब तक अमेरिका, कनाडा, यूरोपीय संघ, खाड़ी देशों में अवैध रूप से प्रवेश करनेध्रहने के दौरान पकड़े गएधनिर्वासित किए गए भारतीयों का राज्यवार ब्यौरा क्या है? (ख) बिना वीजा अवैध रूप से भारतीय दूसरे देशों में किन कारणों से जा रहे हैं? (ग) क्या पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका, कनाडा, यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्वी एशियाई और खाड़ी देशों में भारतीय कामगारों के आव्रजन में बड़ी गिरावट आई है? (घ) इन देशों में भारतीय कामगारों के प्रवास में इतनी बड़ी गिरावट के क्या कारण हैं?

8 फरवरी, 2024 को विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने जवाब में कहा, कि विदेशी नागरिकों के निर्वासन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया हर देश में अलग–अलग होती है। कुछ देश निर्वासित व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करते हैं, और निर्वासन तक उन्हें हिरासत या निर्वासन केंद्रों में रखते हैं। ऐसे में, हमारे मिशन, दूतावासों के पास विदेशों में अवैध रूप से रहने या काम करने वाले भारतीयों की संख्या के बारे में कोई विश्वसनीय डेटा नहीं है। वी. मुरलीधरन ने यह भी बताया, विदेश मंत्रालय ने संभावित प्रवासियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए 2018 में 'सुरक्षित रहें दृ प्रशिक्षित रहें' अभियान शुरु किया था। भारत ने यू.के., फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, इटली जैसे देशों के साथ छह प्रवासन समझौतों (एमएमपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, साथ ही इजराइल, डेनमार्क, पुर्तगाल, जापान, मॉरीशस, जॉर्डन और जी.सी.सी. देशों सहित बारह देशों के साथ श्रम गतिशीलता समझौतों (एल.एम.ए.) पर हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन, इससे क्या इससे कबूतरबाजी रुक गई? वी. मुरलीधरन ने संसद को बताया था कि 31 जनवरी, 2024 तक 2959 अवैध एजेंट सरकार के संज्ञान में हैं। इन पर किस तरह की कानूनी कार्रवाई हुई, विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी नहीं दी।

ठीक से देखा जाये, तो इस विषय पर भारतीय विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन ने हाथ खड़े कर दिए थे। दरअसल, यह एक ग्लोबल रैकेट है, जिसका सच जानकर आश्चर्य नहीं होना चाहिए, कि यूरोपीय–अमेरिकी नेता और नौकरशाह तक मानव तस्करी को सरपरस्ती देते रहे हैं। इस नेक्सस को बड़े से बड़ा शासन प्रमुख तोड़ नहीं पाया है। पीईयू रिसर्च सेंटर बताता है, '2022 तक, सात लाख 25000 भारतीय अमेरिका में रह रहे थे, जो उन्हें मैक्सिकन और होंडुरास के बाद तीसरा सबसे बड़ा समूह बनाता है।' इसके विपरीत, माइग्रेशन पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एमपीआई) ने यह आंकड़ा 375,000 बताया है, जो भारत को पांचवें स्थान पर रखता है। लेकिन, यह केवल अमेरिका का मामला नहीं है। वैध–अवैध रूप से गए भारतीय प्रवासी, दुनियाभर में आबोदाना और आशियाना के लिए अपना ठिकाना बना चुके हैं, उनका सवाल भारतीय अस्मिता का भी सवाल है!—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आर्थिक विकास दर को गति देने की चुनौती

— प्रहलाद सबनानी —

विश्व के कुछ देशों में सत्ता परिवर्तन के बाद आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हुए दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प विभिन्न देशों को लगातार धमकी दे रहे हैं कि वे इन देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर कर की दर में वृद्धि कर देंगे। दिनांक 4 फरवरी 2025 से कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर 20 प्रतिशत एवं चीन से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत का आयात कर लगा दिया है। वैश्विक स्तर पर उक्त प्रकार की उथल पुथल के अतिरिक्त रूस यूक्रेन युद्ध जारी ही है एवं कुछ समय पूर्व तक हमास इजराईल युद्ध भी चलता ही रहा था। वैश्विक स्तर पर उक्त विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारत, अपनी आर्थिक विकास दर को कायम रखते हुए, विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हां, वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रथम दो तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.3 प्रतिशत क्रमशः के आसपास रही है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आगे आने वाले दो दशकों तक आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखना आवश्यक होगा। अतः केंद्र सरकार द्वारा भारत की आर्थिक विकास दर को इस वित्तीय वर्ष की दो तिमाहियों में दर्ज की गई लगभग 5.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अभी हाल ही में केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने लोक सभा में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया है। इस बजट के माध्यम से ऐसे कई निर्णय लिए गए हैं जिससे देश की आर्थिक विकास दर पुनः एक बार 8 प्रतिशत से ऊपर निकल जाए। दरअसल, आज देश में उत्पादों की मांग को बढ़ाना अति आवश्यक है जो पिछले कुछ समय से लगातार कम होती दिखाई दे रही है। इसके लिए आम नागरिकों के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध रहे, ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे, आयकर की सीमा को वर्तमान में लागू सीमा 7 लाख रुपए प्रतिवर्ष से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 12 लाख रुपए प्रतिवर्ष कर दिया गया है। साथ ही, आय पर लगने वाले कर की दर को भी बहुत कम कर दिया गया है। इस प्रकार लगभग 1 करोड़ मध्यमवर्गीय करदाताओं को लगभग 1.10 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष का अधिकतम लाभ होने जा रहा है। इस राशि से विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा एवं देश की आर्थिक विकास दर में तेजी दिखाई देगी। हालांकि इससे केंद्र सरकार के बजट पर एक लाख करोड़ रुपए का भार पड़ेगा। परंतु, फिर भी बजटीय घाटा वित्तीय वर्ष 2024–25 में 5.8 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 2025–26 में 5.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। अतः देश की वित्तीय स्थिति को सही दिशा दिए जाने के सफल प्रयास हो रहे हैं।

विनिर्माण के क्षेत्र को गति देना भी आज की आवश्यकता है। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन भी चलाए जाने का प्रस्ताव है। आज देश में एक करोड़ से अधिक सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग हैं जो 7.5 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कर रहे हैं एवं भारत के कुल उत्पादन में 36 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं तथा देश से होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी 45 प्रतिशत की भागीदारी इन उद्योगों की रहती है। कुल मिलाकर भारत आज अपनी इन कम्पनियों को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहता है। भारत में आज निर्यात प्रोत्साहन मिशन को चालू किया जा रहा है ताकि भारत की कम्पनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। इसी प्रकार भारत को वैश्विक स्तर पर खिलौना उत्पादन के केंद्र के रूप में विकसित किये जाने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। केवल एक दशक पूर्व भारत में खिलौनों का शुद्ध आयात होता था आज भारत खिलौनों का शुद्ध निर्यातक देश बन गया है। पिछले 10 वर्षों में भारत में खिलौनों के निर्यात में 200 प्रतिशत की वृद्धि एवं खिलौनों के आयात में 52 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। भारत ने 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि के खिलौनों का निर्यात किया है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान लगभग 5 प्रतिशत है। विशेष रूप से वाराणसी, श्री अयोध्या धाम, उज्जैन एवं महाकुम्भ, प्रयागराज में पर्यटकों के लिए विकसित की गई आधारभूत सुविधाओं के बाद इन सभी शहरों की पहचान धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में पूरे विश्व में कायम हुई है। आज आध्यात्म की ओर पूरा विश्व ही आकर्षित हो रहा है अतः भारत में अन्य धार्मिक केंद्रों को भी इसी तर्ज पर विकसित किया जाना चाहिए जिससे विभिन्न देशों के नागरिक भी इन धार्मिक स्थलों पर आ सकें एवं जिससे देश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। वित्तीय वर्ष 2025–26 के बजट में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 2,541 करोड़ रुपए की राशि का आबंटन किया गया है जबकि वित्तीय वर्ष 2024–25 में 850 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई थी। भारतीय पर्यटन उद्योग का आकार 25,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, जो कि बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर पूर्व के राज्यों से लेकर जम्मू एवं कश्मीर तक 50 नए पर्यटन केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। यह ऐसे पुराने पर्यटन केंद्र हैं जिनकी पहचान कहीं खो गई है। अब इन पर्यटन केंद्रों पर आधारभूत सुविधाओं को विकसित किये जाने की योजना बनाई जा रही है। इन केंद्रों पर पहुंच को आसान बनाने के उद्देश्य से यातायात के साधनों का विकास किया जाएगा, सर्वसुविधा सम्पन्न होटलों का निर्माण किया जाएगा, एवं इन स्थलों पर अन्य प्रकार की समस्त सुविधाएं पर्यटकों को उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, भारत में मेडिकल पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा सकता है क्योंकि विकसित देशों की तुलना में भारत में विभिन्न बीमारियों का उच्चस्तरीय इलाज बहुत ही सस्ते दामों पर उपलब्ध है। और फिर, भारतीय नागरिकों के डीएनए में ही सेवा भावना भरी हुई है, अतः इन देशों के नागरिकों को भारत में इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर मेडिकल पर्यटन का आकार 13,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। अतः भारत में मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

भारतीय संस्कार और पश्चिमी जीवन शैली

—संजीव ठाकुर—

अंग्रेजों के आने के पूर्व भारतीय संस्कृति धार्मिक, आध्यात्मिक, परंपरा वादी, भाग्यवादी रही है। अंग्रेजों के भारत आने के बाद और उनके संपर्क में रहने से भारतीय जीवन का स्वरूप काफी हद तक परिवर्तित एवं बदले हुए स्वरूप में आया था। धार्मिकता आध्यात्मिकता तथा त्याग व ममता को व्यापक भौतिकवादी दृष्टिकोण से काफी नुकसान पहुंचा है। पश्चात विचारधारा के संपर्क में आने से परंपराओं के प्रति मोह धीरे–धीरे कम होने लगा एवं नई वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली सोच के कारण भाग्य वाद के प्रति आस्था उत्पन्न होने लगी। इसके अतिरिक्त भारतीय दर्शन के आंतरिक गुणों आदर्श नैतिकता,बुद्धि आदि में भी आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। और इन घटकों पर नवीन शिक्षा पद्धति का व्यापक प्रभाव पड़ा है। अंग्रेज भारत को ऐसा वर्ग विशेष बनाना चाहते थे, जो जन्म और रंग से तो पूर्वी हों, पर अन्य सभी दृष्टिकोण से सब अंग्रेज बने रहें। भारत का उच्च वर्ग या अमीर तबका, राजा, महाराजा,नवाब धीरे–धीरे अंग्रेजी शिक्षा के गुलाम होते चले गए,और पाश्चात्य संस्कृति की ओर झुकते गए। भारतीय संस्कृति को विस्मृत करने में यही उच्च वर्ग या अमीर लोग काफी हद तक जिम्मेदार है। यह लोग अंग्रेजियत की नकल करने लगे,तथा भारतीय समाज धर्म दर्शन में इनकी कोई रुचि अविश्वास नहीं रहने लगा था। और इनकी नकल में इनके मातहत, सिपहसालार भी उसी रंग में डूबने लगे थे। धीरे धीरे पश्चिमी सभ्यता ने भारतीय संस्कृति पर अपना व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया था।

पश्चिमी संस्कृति का वृहद अध्ययन करने वाले भारतीय विद्वानों ने पश्चिम की ओर इस अंधे आकर्षण का खुलकर विरोध भी किया था। इन्हीं विद्वानों ने भारतीय जनमानस को अपनी शक्ति और धर्म में विश्वास करने की प्रेरणा देकर उनका मार्गदर्शन किया था। तत्पश्चात भारतीय शोधकर्ताओं ने पश्चिम सभ्यता तथा उसकी शिक्षा का व्यापक परीक्षण शुरू कर दिया था। और इन्हीं शोधकर्ताओं और विद्वानों की अथक मेहनत से प्राचीन परंपराओं में सर्वश्रेष्ठ का चयन कर एवं पाश्चात्य दर्शन की श्रेष्ठ धारणाओं को मिलाकर एक नए दर्शन को समाज के सामने प्रस्तुत किया था। भारतीय विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं विचारकों ने प्राचीन भारतीय कुप्रथा जैसे छुआछूत, पर्दा प्रथा,बहु विवाह, बाल विवाह, देवदासी प्रथा एवं महिला शिक्षा, तथा निरक्षरता के विरोध में अभियान चलाकर सामाजिक चेतना का आह्वान किया था। पर पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर भारतीय समाज में नैतिक विचारों में परिवर्तन की शुरुआत हुई। इस परिवर्तन के साथ भारतीय जनमानस के रहन–सहन खानपान, वेशभूषा,विवाह समारोह, आचार विचार, शिष्टाचार तथा व्यवहार में पाश्चात्य शिक्षा की झलक दिखाई देने लगी। जाति प्रथा के कठोर नियम ढीले पड़ने लगे। बाल विवाह प्रथा में बेहद कमी आने लगी। पश्चात दर्शन ने भारतीय संस्कृति में जीवंत एवं चरित्र को एक नया बदलाव दिया था। पाश्चात्य संस्कृति में धीरे–धीरे भारतीय रहन–सहन रीति–रिवाज प्रथाओं को प्रभावित किया। ड्रेसिंग सेंस, खान पान,बोलने चालने तथा अभिवादन के तरीकों में बड़े परिवर्तन हुए। वेस्टर्न पद्धति से संस्कृति शिक्षा विचारधाराओं ने भारत को दुनिया के राष्ट्रीय जीवन के संपर्क में ला खड़ा किया था। देश के अंदर विभिन्न अलग–अलग विचारधाराओं के समूहों को एक सांस्कृतिक समानता के मंच पर लाकर खड़ा किया। और इसी सांस्कृतिक समानता ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एकता और राष्ट्रीयता की नई मिसाल स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रदान की थी। विहंगम दृष्टिकोण से देखा जाए तो पाश्चात्य दर्शन ने भारतीय परंपरा रीति रिवाज में महत्वपूर्ण सुधार लाने की एक नई पहल की थी। प्राचीन परंपराओं के फल स्वरुप भारतीय जनमानस को रीति–रिवाजों एवं पाखंडी पन ने जीवन में जंजीर बनकर जकड़ रखा था। संस्कृति तथा कुप्रथाओं ने स्वतंत्र विचारों को मस्तिष्क में ही कैद कर लिया था।एवं आमजन का जीना मुश्किल हो गया था। प्रभाव तथा कुरीतियों से सबसे ज्यादा सजा महिलाएं बालिकाएं तथा बच्चों को ही मिल रही थी। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन ने शिक्षा धर्म तथा आदर्शों के मूल्यों में सुधार लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। पाश्चात्य शिक्षा से अंधविश्वास के बदले बुद्धि विवेक और तर्क ने वैज्ञानिक विचारधारा के हिसाब से जीवन यापन करने की पद्धति से अवगत कराया था। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन के कारण ही भारत में ईसाई धर्म समाज की स्थापना हो पाई थी। ईसाइयत का भारत में जन्म अंग्रेजों के आने के बाद ही हुआ था।

पाश्चात्य सभ्यता एवं शिक्षा से भारतीय महिलाओं पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ा। उनकी शिक्षा–दीक्षा रहन सहन तथा व्यवहार में काफी परिवर्तन आया तथा भारतीय महिलाओं ने खुली हवा में सांस लेने के अवसर भी तलाशना शुरू कर दिया था। और आज भारत में महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर पुरुषों के साथ हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। भारतीय जनमानस में पाश्चात्य सभ्यता का बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ा ।जीवन में विकास भी हुआ, और नागरिकों को नए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी साक्षात्कार हुआ। पर इसके साथ पाचल सभ्यता ने भारत को बहुत सारी विकृतियां भी प्रदान की है। जैसे स्त्रियों का खुलापन, नशे की खुली लत एवं महिलाओं तथा पुरुषों का वासनायुक्त खुला व्यवहार, अशोभनीय स्तर पर आ गया है। नशे की अधिकता,महिलाओं के खुले व्यवहार को देखकर आने वाली पीढ़ी की नैतिक शिक्षा में बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ने वाला है। इसमें भारतीय शिक्षा पद्धति में भारतीय संस्कृति के दर्शन के अध्यापन की भी महती आवश्यकता है।

साइबर अपराध पर विद्यार्थियों को किया जागरूक

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा स्थित राजीव गांधी फार्मेसी कॉलेज एवं राम मनोहर लोहिया डिग्री कॉलेज में पुलिस द्वारा साइबर अपराध से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र–छात्राओं को डिजिटल अरेस्ट के बारे में जानकारी देते हुए सीओ जयप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि आज डिजिटल अरेस्ट जैसे अपराध की घटनाएं काफी तेजी से बढ़ रही हैं। इसे हम जागरूक होकर ही रोक सकते हैं।

सीओ ने कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग काफी सावधानी के साथ करें और सीमित समय तक इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी को भी ना दें। मोबाइल पर धमकी आने वाले कॉल किसी भी विभाग से जुड़े नहीं हो सकते हैं। व्हाट्सएप कॉल या अन्य कॉल के जरिए खाते से पैसा ट्रांसफर किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर बिल्कुल ना करें। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला होने पर सरकारी संस्थान फोन पर जानकारी नहीं देती है। जागरूक रहकर हम सब साइबर फ्रॉड में जुड़े अपराधों से बच सकते हैं। साइबर अपराधी लोगों को विभिन्न तरीकों से झांसा देकर उनका धन हड़प ले रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जागरूक रहकर ही हम बच सकते हैं। साइबर अपराधी डर दिखाकर या झूठे वादे करके लोगों से उनके बैंक खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर करवा लेते हैं। फार्मेसी कॉलेज के डायरेक्टर शोभाराम साहू ने विद्यार्थियों से कहा कि सतर्क रह कर ही सुरक्षित रहा जा सकता है। कार्यक्रम में साइबर थाना प्रभारी सजनू यादव, उपनिरीक्षक अनामिका चौहान, श्रृंजय यादव, पीयूष तिवारी, सत्येंद्र मल्ल, महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मोहम्मद मुस्तफा, विमल यादव, परवेज अहमद, सुशील यादव, महेंद्र कुमार, अंगद यादव, राजेश यादव, सतीश यादव, राबिया खातून, निर्मला प्रियंका, प्रीति मोदनवाल, शिल्पी अग्रहरि सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पीएम सूर्यघर योजना की कमजोर प्रगति पर डीएम ने लगाई फटकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

महराजगंज। डीएम अनुनय झा ने नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की। पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अब तक सिर्फ 193 सोलर पैनल लगाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसमें सुधार करने की हिदायत दी।

उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना के लिए वेंडर्स की संख्या बढ़ाने और प्रत्येक वेंडर प्रति माह न्यूनतम 50 सोलर प्लांट लगाने का निर्देश दिया। विद्युत विभाग के सभी एक्सईएन को नेडा से नेट मीटर प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर लगाने के लिए निर्देशित किया। कहा कि किसी भी स्तर पर योजना में विलंब को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने योजना के व्यापक प्रचार–प्रसार का निर्देश दिया। कहा कि पीएम सूर्यघर शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना है और इसके क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सीडीओ अनुराज जैन, पीओ नेडा गोविंद तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम ने समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया-प्रेम दास महाराज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या– सर्व समाज के कल्याण और चिंतन के लिए कार्य करते थे हमारे आराध्य प्रभु श्री राम। हम लोग बड़े सौभाग्यशाली हैं की उनके जन्म स्थान पर भव्य मंदिर निर्माण का हो गया, करोड़ों लोग दर्शन पूजन कर रहे उक्त बातें प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास रामायणी महाराज ने कहा।श्री महाराज जी ने बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने सभी को अपनाया। उन्होंने कभी ऊंच–नीच का भेद नही किया। वह मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। जिन्होंने पूरी दुनिया को मानवता का संदेश दिया। ऐसे हमारे भगवान राम हैं। जिनका अनुसरण हम सभी लोगों को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिष्य को अपने नाम, काम और धाम से समर्पित होना चाहिए। कीर्तन वही कर सकता है जो कीर्ति व तन से ऊपर हो जाए। जिसकी कीर्ति हमें जीवन में सुकीर्ति प्रदान करती है। वह हमारे रघुनाथ हैं, जिसका मन निर्मल है वही परमात्मा को प्राप्त कर सकता है। भजन झंझटों से जूझने का सामर्थ्य देता है। संत को पूरे ब्रह्मांड की चिंता होती है। वह हमें भगवंत का रास्ता दिखाते हैं। परमात्मा को आंखो से नही कानों से देखा जाता है। सुख का अनुभव कामना की निवृत्ति में होता है। विद्वानों की संगति रखना सबसे बड़ा आचरण है। परमात्मा के साथ लौकिक सम्बंध भी हमारा उद्धार करता है। गद्दी नशीन महंत प्रेमदास के शिष्य महंत डॉ महेश दास ने फोन पर बताया कि गुरुवार को ठाकुरजी का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया, जिसके उपलक्ष्य में इमली बगिया में विशाल भंडारा आयोजित रहा। भंडारे में हनुमानगढ़ी समेत पूरी अयोध्या के संत–महंत उपस्थित हुए और भगवान का प्रसाद पाया। अंत में संत–महंतों का स्वागत–सत्कार किया गया। महंत प्रेमदास महाराज ने कहा कि सन 1994 से वह भगवान सीताराम का वार्षिकोत्सव मनाते हुए चले आ रहे हैं। उसी के परिप्रेक्ष्य में इस बार भी उत्सव मनाया गया।प्रभु दास उर्फ मामा दास सहित महराज जी के शिष्यों को अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

जाति प्रमाण पत्र के सत्यापन में देरी पर डीएम ने लेखपाल को किया निलम्बित

संवाददाता—देवरिया। डीएम के निर्देश पर लेखपाल पर दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही मामले में सस्पेंशन की कार्रवाई की गई है।उप जिलाधिकारी सदर विपिन कुमार द्विवेदी ने बताया है कि जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश पर लेखपाल मानवेंद्र प्रताप सिंह को पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं जाति प्रमाण पत्र सत्यापन में अकारण विलम्ब करने पर निलम्बित कर दिया गया है। इस अवधि में लेखपाल मानवेन्द्र प्रताप सिंह कार्यालय रजिस्ट्रार कानूनगो देवरिया सदर से सम्बद्ध रहेंगे।

उप जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील स्तर से केंद्रीय सेवाओं एवं राज्य सेवाओं में नौकरी हेतु

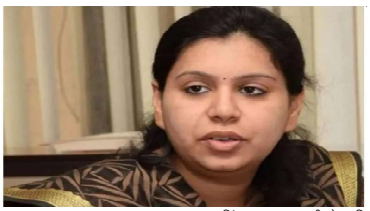

अलग–अलग जाति प्रमाण पत्र बनाए जाते हैं। यदि राज्य सेवा के लिए एक बार प्रमाण पत्र बन गया है तो उसका सत्यापन पोर्टल के माध्यम से करके केंद्रीय सेवा हेतु जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। किंतु एक प्रकरण में लेखपाल मानवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा 16 जनवरी के जाति प्रमाण पत्र के आवेदन को पोर्टल से सत्यापन करने के स्थान पर अकारण लम्बित रखा गया। जिसमें उत्तरदायित्व तय करते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर उक्त कार्रवाई की गई है।

प्रेमिका ने फोन कर बाग में बुलाया... पति ने दोस्त संग मिलकर दी दर्दनाक मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले में बृहस्पतिवार को पुलिस ने हत्या की घटना का खुलासा करते हुए आरोपी प्रेमिका, उसके पति और एक दोस्त को गिरफ्तार किया है। घटना हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के भेंसरी गांव की है। गांव निवासी राजा बाबू की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। मामले में राजा बाबू के पिता ने पांच नामजद एवं आठ अज्ञात के विरुद्ध पुरानी रंजिश में हत्या का मामला दर्ज कराया था।

घटना का खुलासा करते हुए एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि मृतक राजा बाबू का बहराइच के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम नगरौर निवासी रानू की पत्नी से शादी से पूर्व से अवैध संबंध था। शादी के एक वर्ष बाद भी मृतक राजा बाबू उसकी पत्नी को अश्लील फोटो व वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर रहा था।

एक बार रानू ने अपनी पत्नी की मोबाइल पर उसकी अश्लील फोटो व वीडियो देखा। इसके बाद 30 जनवरी की शाम रानू ने अपनी पत्नी से राजा बाबू को आम के बाग में बुलवाया। जहां पहले से मौजूद रानू ने बहराइच के ही थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम बेरिया निवासी अपने साथी उपेंद्र यादव के साथ मिलकर लोहे की चेन, पाइप व चाकू से उसकी हत्या कर दिया।

मामले में रानू, उसकी पत्नी व उपेंद्र यादव को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, चेन, पाइप व मृतक के मोबाइल का खून लगा कवर, एक मोबाइल व बाइक बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों को संबंधित न्यायालय में पेश किया गया। जहां से दंपती व उसके सहयोगी को जेल भेजा गया है।

शौच के लिए जा रहे ग्रामीण पर झपट पड़ा तेंदुआ, चार पर किया हमला, दहशत का माहौल

संवाददाता– बहराइच । जिले के तहसील मोतीपुर अंतर्गत कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के निशान गाड़ा रेंज के भट्ठा बरगदहा गांव में सुबह–सुबह तेंदुए के लगातार हमले से हाहाकार मच गया जिसमें चार लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीपुर रेफर किया गया है। वहीं, लगातार बढ़ते तेंदुए के हमले से ग्रामीण दहशत में हैं।

पूरा मामला कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के निशानगाड़ा रेंज के भट्ठा बरगदहा गांव का है। जहां पर सुबह शौच के लिए खेत की तरफ जा रहे रमाकांत पर अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके पश्चात तेंदुए ने बगल के घर के अंदर मौजूद संदीप के ऊपर भी हमला कर दिया जिसमें संदीप भी घायल हो गया । यहां से तेंदुआ शत्रुघ्न के घर के अंदर घुस गया और और घर से निकलते समय पुलिया के पास शंकर दयाल पर हमला कर दिया।

मौके पर पहुंचे वनकर्मियों के द्वारा घायलों को इलाज से लिए सीएचसी रेफर कर दिया गया है।

मझना नाले में मिला 55 वर्षीय महिला मिला शव, सनसनी

संवाददाता–कुशीनगर। हाटा कोतवाली के शंखापार माफी के अकटहवा घाट के समीप मझना नाले में गुरुवार को 55 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध हालत मिला। नाले में शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हाटा कोतवाली के शंखापार माफी के अकटहवा घाट के समीप मझना नाले में गुरुवार को खेत देखने गये कुछ लोगों ने मझना नाला में अज्ञात 55 वर्षीय महिला का शव देख शोर मचाया । शोर सुन आस पास के लोगों की भीड़ जुट गई। क्षेत्र के लोगों की चर्चा के अनुसार महिला का शव बोरे में अर्धनग्न हालत में था। महिला के शरीर के कुछ हिस्सों पर कपड़ा लपेटा गया था। शव से बदबू आ रही थी। आस पास के लोगों ने घटना की सूचना तत्काल हाटा कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। समाचार लिखें जाने तक शव का शिनाख्त नही हो सकी थी।

55 वर्षीय महिला शव मझना नाला फेंका मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पी एम के लिए भेज दिया है। शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

छुट्टा पशुओं से फसल को नुकसानः किसान परेशान

संवाददाता– कुशीनगर। फाजिलनगर विकास खण्ड के कुछ गांवों में किसानों की छुट्टा पशुओं ने नींद उड़ा दी है। लोग दिनभर काम करने के बाद भी रात में जागने के लिए मजबूर हैं। छुट्टा पशु रात में किसानों के गेहूं के फसलों को खा जा रहे हैं। जिससे किसानों का भारी नुकसान हो रहा है।

क्षेत्र के ग्राम सभा नदवाविशुनपुर, बेइली, अमवाश्री दूबे, लक्ष्मीपुर तथा धनहा आदि गांवों में इस समय आठ दर्जन छुट्टा पशुओं ने लोगों की नींद उड़ा दी है। एक पशु को सोमवार की रात को ठंड लगने से या किसी जहरीले जंतू के काटने से मौत हो गई। बाकी बचे पांच पशु एक ही साथ किसानों की फसल को चर रहे हैं। इस समय जाड़े की रात में किसान अपने खेतों की रखवाली कर रहे हैं। उसके बाद भी पशु रात में खेतों को चर जा रहे हैं। पशुपालकों की गाय जब दूध देना बंद कर देती है तो अगर बछिया होती है तो उसे अपने घर पर रख कर पालते हैं और बछड़ा हुआ तो रात के अंधेरे में लोग अपने गांव से दूर सुनसान जगह पर छोड़ देते हैं। किसानों ने छुट्टा पशुओं को पकड़वाने की मांग की है।

इस समय गेहूं की फसल में बालियां निकलना शुरू हो गया है। अगर इस समय फसल चरेंगे तो उसमें बालियां नहीं आयेगी। इस संबंध में फाजिलनगर के बीडीओ रवि रंजन कुमार ने कहा कि हमको जानकारी नहीं थी। उन सबको पकड़वाने की बहुत जल्द व्यवस्था करूंगा।

जन्म दिन मना रही युवती से छेड़खानी

संवाददाता– सलेमपुर (देवरिया)। क्षेत्र के एक गांव में जन्मदिन मना रही युवती के घर चढ़कर उसके साथ मनबढ़ किस्म के कुछ युवकों ने छेड़छाड़ शुरू कर दिया। जब उसने विरोध किया तो मनबढ़ो ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। आरोप है कि कपड़े भी फाड़ दिए। पीड़ित ने सुबह कोतवाली पहुंचकर इसकी जानकारी पुलिस को दी। जिसे गंभीरता से लेते हुए कोतवाल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर भेज दिया।

दुपट्टे से लटका मिला महिला का शव

संवाददाता श्रावस्ती। सोनवा थाने के बरदेहरा गांव में एक महिला का शव घर में दुपट्टे से लटका मिला। परिवार के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है।

इकौना थाना क्षेत्र के लालपुर खदरा निवासी राम जियावन ने अपने लड़की चम्पा देवी उम्र 30 की शादी सोनवा थाना क्षेत्र के बरदेहरा गांव निवासी केदार नाथ के लड़के अरविंद कुमार के साथ पांच साल पूर्व किया था। गुरुवार दोपहर में चम्पा देवी का शव घर में दुपट्टे से लटका देखा गया। इसकी सूचना परिजनों ने सोनवा पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सतीश कुमार शर्मा व नायब तहसीलदार विजय कुमार गुप्ता ने मौके की जांच की और परिवार के लोगों के बयान दर्ज किए। बताया जाता है कि गुरुवार सुबह परिवार के लोग खेत में काम करने गए थे। दोपहर में घर आए तो दरवाजा अंदर से बंद था। इस पर दरवाजा तोड़ कर अंदर घुसे तो दुपट्टे से महिला लटकी मिली। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

महाभारत का कारण बना एक व्यंग्य– आचार्य राधेश्याम शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।एक छोटे से मजाक व्यंग और आहत करने वाले कठोर वचनों से महाभारत हुआ।एक छोटे से व्यंग से द्रौपदी के कारण जो दुर्योधन के मन में तीर की तरह चूभ गया था और द्रौपदी को अपमानित करने का कुप्रयास किया गया।करने वाले ने कोई कोर–कसर न छोड़ी थी।लेकिन कर्म के बीच अज्ञात भी उतर आता है।इसका कभी कोई पता नहीं है। वह जो श्रीकृष्ण की कथा है, वह अज्ञात के उतरने की कथा है,अज्ञात के हाथ हमें दिखाई नहीं पड़ते। उक्त बातें श्री राम नगरी के जयसिंहपुर सीता कुंड में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य राधेश्याम शास्त्री महाराज ने बताई। कथा 5 फरवरी से 12 फरवरी तक शाम 4 से 7रू तक चलेगी। श्री महाराज जी ने बताया कि हम ही नहीं है इस पृथ्वी पर। हमारी ही अकेली आकांक्षा नहीं है।अनंत आकांक्षा है और अंनत की भी आंकाक्षा है।द्रौपदी की भी तो चेतना है, द्रौपदी का भी तो अस्तित्व है। और क्या ऐसा ही होगा कि द्रौपदी वस्त्रु की तरह प्रयोग की जाए। उसके पास भी चेतना है।उसके पास भी संकल्प है।

उन्होंने बताया कि साधारण स्त्री नहीं है द्रौपदी,स्त्री साधारण होती ही नही है, कोई भी स्त्री साधारण नही होती है।द्रौपदी के बराबर की स्त्री पूरे विश्व्व के इतिहास में दूसरी नहीं है। यादि अत्रि सावित्री की याद आती है, सुलोचना की और बहुत यादें है। फिर भी मैं कहता हुं, द्रौपदी की कोई बराबरी ही नहीं है। द्रौपदी बहुत ही अद्वितीय है। उसमें सीता की मिठास तो है ही,उनमें माता कैकेयी की वीरता भी है। शकुन्तला का शौर्य और सौन्दर्य भी है।उसमें गार्गी का तर्क भी है। उनमें मैत्रेयी की मैत्री भी है।सब महा कथाएं

स्त्री की धुरी पर घटित होती है। रामायण श्रीसीता की धुरी पर घटित हुई है। श्रीराम और रावण तो ट्राएंगल के दो छोर है, धुरी तो सीता है।

सीतायाश्चरितम् महंत ये कौरव और पांडव और यह सारा महाभारत और यह सारा युद्ध द्रौपदी की धुरी पर घटा है, उस युग की और सारे युगों की सुंदर तम स्त्री है। आश्च्यर्य नहीं है कि दुर्योधन ने भी उसे चाहा हो। असल में उस युग में कौन पुरुष होगा जिसने उसे न चाहा हो। उसका अस्तित्व्व, उसके प्रति चाह पैदा करने वाला था। दुर्योधन ने भी उसे चाहा हो और वह मिल गयी पाण्डवों को, द्रौपदी जैसी स्त्री को नहीं पा सकता दुर्योधन। उसके व्यंग्य्य तीखे पड़ गए उसके मन पर बड़ा हारा हुआ है। हारे हुए व्यक्तिदृजैसे कि क्रोध में आए हुई बिल्लियां खंभे नोचने लगती है। वैसा करने लगते है और स्त्री के सामने जब भी पुरुष हारता है और इससे बड़ी हार पुरुष को कभी नहीं होती। पुरुष से लड़ ले, हार जीत होती है। लेकिन पुरुष जब स्त्री से हारता है तो किसी भी क्षण में तो इससे बड़ी हार नहीं होती है।

तो दुर्योधन उस दिन उसे नग्न करने का जितना आयोजन करके बैठा है, वह सारा आयोजन भी हारे हुए पुरूष मन का है और उस तरफ जो स्त्री खड़ी है हंसने वाली,वह कोई साधारण स्त्री नहीं है, उसका भी अपना संकल्प्प है अपना विल है, उसकी भी अपनी सामर्थ्य है। उसकी भी अपनी श्रद्धा है,उसका भी अपना होना है। उसकी उस श्रद्धा में वह जो कथा है, वह कथा तो काव्य है, कि कृष्ण उसकी साड़ी को बढ़ाए चले जाते है। लेकिन मतलब सिर्फ इतना है कि जिसके पास अपना संकल्प्प है, उसे परमात्मा का सारा संकल्प्प तत्काल उपलब्ध हो जाता है। तो अगर परमात्मा के हाथ उसे मिल जाते है, तो कोई आश्च्यर्य नहीं। तो मैंने कहा,और मैं फिर कहता हूं, द्रौपदी नग्न्न की गई, लेकिन हुई नहीं। नग्न्न करना बहुत आसान है, उसका हो जाना और बात है। बीच में अज्ञात विधि आ गई, बीच में अज्ञात कारण आ गए। दुर्योधन ने जो चाहा, वह हुआ नहीं। कर्म का अधिकार था, फल का अधिकार नहीं था। कथा के विश्राम बेला में मुख्य यजमान श्रीमती मिथलेश तिवारी ने परिवार के साथ व्यासपीठ की आरती उतारी प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर रवि मोहन तिवारी (चिन्टू तिवारी) सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

85 ग्राम पंचायतों में बड़ी गड़बड़ी, सिर्फ कागजों पर काम, प्रधान, सचिव को नोटिस

संवाददाता– गोंडा । जिले में 85 ग्राम पंचायतों में बड़ी गडबड़ी फंस गई हैं। यहां के अलग–अलग ब्लॉकों में स्थित लगभग 85 ग्राम पंचायतें ऐसी हैं, जहां पर सिर्फ कागजों में काम कराए जाने का आरोप लगाया जा रहा है। आरोपों से घिरीं ऐसी पंचायतों के ग्राम प्रधानों और ग्राम पंचायत सचिवों को प्रशासन की तरफ से नोटिस जारी की गई।

जिनसे निर्धारित तिथियों में जवाब मांगा गया। इसके साथ ही आरोपों में फंसी पंचायतों के सचिव और प्रधान को चेतावनी दी गई है कि डिटेल नहीं देने पर सख्त कार्रवाई होगी।

जनपद के अधिकतर ब्लॉकों में सात दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतें जांच से घिरी हुई नजर आ रही हैं। इन पंचायतों में योजनाओं के तहत कराए गए कार्य में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी करने का आरोप लगाया जा रहा है। स्थिति ऐसी हो गई है कि जो कार्य कराए गए हैं, कागजों में होने के आरोप लग रहे हैं। ग्राम पंचायतों के प्रधान और सचिव कामकाज के अभिलेख ऑडिट में मुहैया नहीं कर पा रहे हैं। जिसको लेकर संबंधित पंचायतों को लेखाधिकारी की तरफ से नोटिस जारी की गई है। इसके साथ ही निर्धारित तिथियों में संबंधित ग्राम पंचायतों से जवाब मांगा गया पर जवाब नहीं मिला है।

अब चेतावनी दी गई है। जिसमें कहा गया है कि निश्चित तिथियों में संबंधित ग्राम पंचायतें कामकाज का ब्योरा नहीं देंगी तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। जिसके जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायतों की होगी।

डीपीआरओ लालजी दुबे ने बताया कि जिले की कई ऐसी ग्राम पंचायतें हैं, जहां पर अलग–अलग वर्षों में ऑडिट के दौरान कागजों में कमी पाई गई है। सभी पंचायतों को नोटिस जारी कर दिया गया है।

कार्यालय आदर्श नगर पंचायत, नगर बाजार, बस्ती।

ई-निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती में पं0 दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य कराया जाना है, जिसके लिए आनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र बेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा। बेवसाइट पर उपलब्ध निविदा नोटिस में धरोहर धनराशि, निविदा डालने की तिथि, समय, कार्य करने की अवधि एवं निविदा लागत तथा निविदा के विस्तृत नियम एवं शर्तों का उल्लेख है।

ई–निविदा (टेक्निकल एवं फाइनेन्शियल) निम्नलिखित विवरण के अनुसार वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर आनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती से कार्यालय समय एवं कार्य दिवस पर की जा सकती है।

क्रमांक	वेबसाइट पर ई–निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	तिथि	समय
1	ई–निविदा डाउनलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	07/02/2025	13:00 बजे
2	ई–निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि / समय	07/02/2025	13:00 बजे
3	ई–निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि / समय	28/02/2025	13:00 बजे
4	ई–निविदा खोलने की तिथि/समय	28/02/2025	14:00 बजे

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत नगर बाजार,
जनपद–बस्ती।

नीलम सिंह
अध्यक्ष
नगर पंचायत नगर बाजार,
जनपद–बस्ती।

पत्रांक: 508 /न०पं०न0बा0/2024–25 दिनांक 06/02/2025

हुक्का बार में गैंगरेप: 27 दिन में पुलिस ने लगाई चार्जशीट, सरगना की पत्नी भी शामिल, रेशमा अभी भी फरार

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर पुलिस ने हुक्का बार चलाने के केस में भी केवल 27 दिन में चार्जशीट तैयार कर दाखिल कर दी है। वहीं, रामगढ़ताल थाने में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों की सहयोगी रेशमा की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है। बहुत जल्द एनबीडब्ल्यू लेकर उसपर इनाम घोषित करने की भी तैयारी चल रही है। इलाके के जेनिस बॉटल रेस्टोरेंट में नौ जनवरी की रात में पुलिस ने छापा मारा था। इस दौरान वहां धुआं उड़ाते मिले 15 लड़के–लड़कियों के साथ ही हुक्का बार के संचालक और तीन कर्मचारियों को पकड़ लिया। मौके से ही 10 हुक्का और तंबाकू व फ्लेवर भी बरामद कर संचालक समेत आठ पर केस दर्ज किया गया था।

अभी तक पुलिस रेशमा की तलाश में महराजगंज और प्रयागराज जा चुकी है। महराजगंज और मेडिकल कॉलेज के पास वह किराये के घर में रहती थी। दोनों ही जगहों पर मकान खाली कर चुकी है। पुलिस को अब उसका एक और ठिकाना मिल गया है। बहुत जल्द उस पते पर नोटिस भेजकर रेशमा के खिलाफ

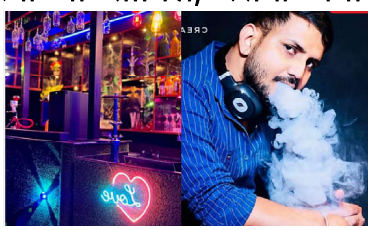

पुलिस एनबीडब्ल्यू लेगी। हुक्का बार में पकड़े गए लड़के–लड़कियों से पूछताछ कर उनके परिजनों को बुलाकर उन्हें सौंप दिया गया। मौके पर फ्लाइ इन–2 का मालिक अनुराग कुमार सिंह, मोहनापुर का आकाश यादव, बिछिया के रोहित छेत्री और विनय साहनी पकड़े गए थे। इनके साथ ही भागने वाले अनिरुद्ध ओझा, उसकी पत्नी रुचि शर्मा, आदित्य मौर्या और निखिल सिंह पर शाहपुर में केस दर्ज किया गया था। इस केस की जांच पड़ताल के बाद ही तीन किशोरियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया।

तीनों किशोरियों ने केस दर्ज कराया। पहला केस रामगढ़ताल इलाके की किशोरी ने दो जनवरी को रामगढ़ताल थाने में दर्ज कराया। इसके बाद शाहपुर थाने में कैंपियरगंज की किशोरी ने दस जनवरी और दूसरी देवरिया की किशोरी ने 13 जनवरी को परिवार के साथ पहुंचकर केस दर्ज कराया था। दो केस में अनिरुद्ध ओझा, आदित्य मौर्या और निखिल सिंह और प्रियांशु का नाम सामने आया। पुलिस ने 14 जनवरी को आरोपियों को गिरफ्तार जेल भिजवा दिया था। शाहपुर थाने में 13 जनवरी को दर्ज एफआईआर में पुलिस ने अनिरुद्ध ओझा, आदित्य मौर्या और निखिल सिंह पर चार्जशीट दाखिल कर दी है। जबकि अन्य केस की विवेचना में अन्य आरोपितों का नाम सामने आएगा। फ्लाइ इन होटल के हुक्का बार में कैंपियरगंज की किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने दो दिन पहले ही चार्जशीट दाखिल कर दी थी। वहीं रामगढ़ताल थाने में दर्ज केस की विवेचना जारी है और जल्द ही उसमें भी चार्जशीट लगाने की तैयारी है।

देह व्यापार के केस में गीडा इलाके के चार और मोहदीपुर के एक होटल का नाम भी सामने आया है। इन होटलों में देह व्यापार की बात सामने आने पर इनके मालिकों का बयान पुलिस ने लिया है। एक होटल के खिलाफ जांच में साक्ष्य मिल गए हैं, जिसके आधार उसपर कार्रवाई की तैयारी चल रही है। अन्य होटलों की जांच जारी है। शाहपुर स्थित रेस्टोरेंट में छापा मारा गया तो वहां पर हुक्का बार चलता मिला था, इसके बाद केस दर्ज किया गया। इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी गई हैरुअभिनव त्यागी, एसपी सिटी

प्रधानमंत्री आवास के लिए 14,301 पात्रों का हुआ सर्वे

संवाददाता–अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में पात्रों के चयन की प्रक्रिया तेज हो गई है। अब तक 14,301 पात्रों का सर्वे पूरा करते हुए डेटा एप पर अपलोड किया जा चुका है। तीन ब्लॉकों की प्रगति अभी सुस्त होने के कारण संबंधित बीडीओ को इसमें तेजी लाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

बता दें कि प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत अगले पांच वर्षों तक सभी पात्रों को पक्की छत मुहैया कराए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पात्रों के चयन के लिए 899 ग्राम पंचायतों में 303 सर्वेयर की तैनाती की गई है। इन सर्वेयरों ने अब तक 12255 पात्रों का चयन करते हुए एप पर डेटा फीड कर लिया है। वहीं, 2128 लोगों ने स्वयं ही एप के जरिए आवेदन किया है, जिनका विभाग की ओर से सत्यापन कराया जाएगा।

बसखारी, कटेहरी और जहांगीरजगंज ब्लॉकों सर्वे की रफ्तार अभी धीमी है। बसखारी में 1088, कटेहरी में 1429 एवं जहांगीरगंज में 1440 ही पात्रों का चयन किया जा सका है। अन्य ब्लॉकों की प्रगति अब तक संतोषजनक है। 31 मार्च शत प्रतिशत पात्रों का सर्वे करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद ग्राम समिति की बैठक में इनका सत्यापन कराया जाएगा।

युवती की सिर कटी लाश मिली, नहीं हो सकी पहचान

संवाददाता–गोरखपुर। जिले में बृहस्पतिवार की सुबह अचानक हड़कंप मच गया। गगहा के राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे भलुआन सिलनी पुलिया के पास लावारिस अवस्था में एक युवती का शव मिला। शव बुरी तरह क्षत–विक्षत था। धड़ की हिस्सा शरीरी पर था, जबकि शव से सिर का हिस्सा गायब था। राहगीरों और गांव वालों ने शव को देख इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजने के साथ शव की पहचान शुरू कर दी है। गांव वालों से शव के आधार पर पहचान के लिए पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा गगहा थाने और आस–पास के थानों में लापता या युवती के गुमशुदगी की रिपोर्ट जांची जा रही है।

गांव का नाम न दिखने से किसानों को नहीं मिल रहा योजना का लाभ

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ पाने के लिए ग्राम पंचायत पड़िया के राजस्व गांव देवापार के किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फार्मर रजिस्ट्री में गांव का नाम न दिखने और नए किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण न होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। समस्या के निस्तारण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने पूर्व प्रधान दिनेश कुमार के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे किसानों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर तीन हफ्ते पहले लेखपाल को लिखित शिकायत दी गई थी। अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीण जब किसान सम्मान निधि का ऑनलाइन आवेदन कराने जाते हैं, तो फार्मर रजिस्ट्री में गांव देवापार का नाम ही शो नहीं कर रहा है, जिससे वे योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। मेंहदावल तहसील के एसडीएम उत्कर्ष श्रीवास्तव ने कहा कि मामले की जानकारी नहीं थी, लेकिन अब इसे गंभीरता से लिया जाएगा और जल्द समाधान किया जाएगा, ताकि किसानों को योजना का लाभ मिल सके। वहीं लेखपाल बृजेश कुमार यादव ने बताया कि ग्रामीणों की लिखित शिकायत को उन्होंने संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा दिया था। ग्रामीणों को अब तक कोई राहत नहीं मिली है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द कोई समाधान नहीं निकला, तो वे तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

नसबंदी शिविर का हुआ आयोजन, 32 महिलाओं ने कराया पंजीकरण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नवापुर के सीएचसी सिरसिया में बृहस्पतिवार को महिला नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया।अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा के अगुवाई में आयोजित शिविर में कुल 32 महिलाओं ने नशबंदी कराने के लिए अपना पंजीकरण कराया।पंजीकृत महिलाओं का सर्जन डॉ.विवेक मिश्रा के द्वारा सफल नशबंदी आपरेशन किया गया।इस दौरान विनय कुमार,प्रेम कुमार तिवारी,डॉ.एल.बी. यादव,रेखा पाण्डेय,रूपम पाठक,सबिता मौर्या,मनीष कुमार,आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

आवास सर्वेयर पर बिचौलियों से फोटो खिंचवाने का आरोप

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में हैंसर ब्लॉक के रामपुर उत्तरी के ग्रामीणों ने आवास के सर्वेयर पर बिचौलियों से फोटो खिंचवाकर खानापूर्ति करने का आरोप लगाया है। विरोध में ग्रामीणों ने ब्लाक पर प्रदर्शन कर बीडीओ से कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि सुमन चौहान की आवास का सर्वे करने के लिए ज्यूटी लगाई गई है। वे कभी गांव में नहीं जाती हैं। मनमानी तरीके से बिचौलियों से फोटो खिंचवाकर कार्य को जैसे–तैसे कार्य पूरा कर रही हैं। जिससे पात्रों के आवास का लाभ पाने से वंचित होने की आशंका है। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने ब्लॉक पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। बीडीओ से कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि अगर आवास के लाभ से पात्र वंचित रह गए तो हम लोग वृहद रूप से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। दूसरी ओर सर्वेयर सुमन चौहान का कहना है कि इस गांव में चार गांव संबद्ध हैं। माधोपुर व निरंजनपुर गांव का सर्वे चुकी हैं। अभी रामपुर उत्तरी गांव का सर्वे पूरी तरीके से किया जाएगा कोई भी पात्र आवास का लाभ पाने से वंचित नहीं रहने पाएगा।

झोलाछाप से दांत उखड़वाते समय श्वासनली में जाकर फंसा, डाक्टरों ने जटिल आपरेशन कर बचाई अधेड़ की जान

संवाददाता–अयोध्या। मेडिकल कॉलेज के टीबी एंड चेस्ट विभाग के चिकित्सकों ने श्वासनली में फंसा दांत निकालकर एक अधेड़ की जान बचाई है। इसके लिए चिकित्सकों को दो बार ब्रोंकोस्कोपी करनी पड़ी। सफल इलाज के बाद मरीज ने चिकित्सकों के प्रति आभार जताया है। अंबेडकरनगर निवासी सतीश कुमार (50) अपने गांव के पास झोलाछाप के पास दांत उखड़वा रहे थे। इस बीच उनका दांत निकलकर सीधे श्वासनली में चला गया। उनकी आवाज गायब हो गई। तेज खांसी भी आने लगी। स्थानीय स्तर पर इलाज के बाद आराम नहीं मिला तो परिजन उन्हें लेकर मेडिकल कॉलेज के टीबी एंड चेस्ट विभागाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार वर्मा से संपर्क साधा। एक्सरे कराने पर कुछ स्पष्ट नहीं दिखा तो उन्होंने ब्रोंकोस्कोपी की सलाह दी। मेडिकल कॉलेज में स्थापित मशीन से ही उन्होंने पहली बार जांच की तो दांत नहीं निकल सका, लेकिन चिकित्सकों ने हार नहीं मानी। बुधवार को फिर से डॉ. एसके वर्मा ने डॉ. अभिषेक चंद्रा व अन्य के साथ लगभग आधे घंटे तक ब्रोंकोस्कोपी की। इस बार टूटा दांत सफलतापूर्वक निकाला गया। इसके बाद मरीज की हालत सामान्य हुई। डॉ. एसके वर्मा ने बताया कि निजी केंद्रों पर ब्रोंकोस्कोपी के लिए मरीज को 15,000 रुपये चुकाना पड़ता है, लेकिन मेडिकल कॉलेज में महज 500 रुपये के शुल्क में इलाज हो गया। अब मरीज की हालत खतरे से बाहर है। वहीं, सफल इलाज पर प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा, सीएमएस डॉ. अरविंद सिंह, स्लडबैंक विभागाध्यक्ष डॉ. डीके सिंह आदि ने पूरी टीम को बधाई दी है।

अंडरपास के निकट अतिक्रमण को हटाया गया

संवाददाता–संतकबीरनगर। प्रभारी यातायात परमहंस और यातायात टीम द्वारा मुखलिसपुर अंडरपास के पास हुए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। वाहनों को रोड पर खड़ा करने से मना किया गया। उनको उचित स्टैंड पर जाकर सवारी भरने हेतु निर्देशित किया गया तथा अंडरपास पर अतिक्रमण को हटाया कर यातायात व्यवस्था सुचार रूप से चलने हेतु कार्यवाही की गई।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगंज इनकिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 33/39 जेड0एल0आर0
अदालत– श्रीमान एस0डी0ओ0 न्यायिक महोदय हर्रैया जिला–बस्ती
तुलसीराम
बनाम
राम बुझारत
तुलसीराम पुत्र रसियावन साकिन माचा पोस्ट बेलवा (बाघानाला) तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 22–02–2025
वाजेह हो कि अवधेश ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगंज इनकिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 15472/2024
धारा 116 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामविचार
बनाम
राजू आदि
बावत मौजा चन्दो तप्पा पिपरा परगना नगर पूर्व तहसील व जिला–बस्ती 1. राजू 2. बब्लू 3. पप्पू पुत्रगण राम दुलारे 4. त्रिभुन 5. राम उजागिर पुत्रगण राम पियारे 6. राम चन्दर 7. दिनेश गुप्ता 8. धीरू कुमार गुप्ता 9. रोशन गुप्ता पुत्रगण रामशंकर 10. श्रीमती गुजराती पत्नी राम पियारे 11. आकाश गुप्ता पुत्र राम विचार निवासीगण मौजा चन्दो तप्पा पिपरा परगना नगर पूर्व तहसील व जिला–बस्ती 12. अध्यक्ष ग्राम पंचायत चन्दो जरिए ग्राम प्रधान चन्दो साकिन चन्दो तप्पा पिपरा परगना नगर पूर्व तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 17–02–2025
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–1144/2023
रामशंकर
बनाम
राम कुमार आदि
1. रामकुमार 2. मोतीराम 3. तिलकराम पुत्रगण सोमई निवासीगण कलानीखुर्द तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण
तारीख पेशी 25–03–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–407/2021
रमापति
बनाम
ढोढ़े आदि
1. ढोढ़े पुत्र रामराज 2. बंशगोपाल पुत्र ढाढे 3. शीला पत्नी बंशगोपाल निवासीगण ग्राम रिउठा तप्पा कनैला परगना नगर पूर्व तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 14–02–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगंज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 32/38 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय हर्रैया जिला–बस्ती
नवल किशोरी
बनाम
सरकार
बावत मौजा खम्हरिया गंगाराम अगरवी पुत्र अर्छबर साकिन खम्हरिया गंगाराम तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 19–02–2025
वाजेह हो कि नवल किशोरी ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–916/2022
रामचन्दर
बनाम
सूर्य प्रकाश ओझा आदि
1. सूर्य प्रकाश ओझा उम्र लगभग 68 वर्ष पुत्र श्री ब्रिज विहारी ओझा निवासी सुगर मिल कालोनी बस्ती पोस्ट सुगरमिल बस्ती
प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. दी बस्ती शुगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड बस्ती जिला–बस्ती रजिस्टर्ड आफिस 207 एस्सेल हाउस 10 आफिस अली रोड दिल्ली 110006 द्वारा अधिकृत श्री योगेन्द्र सिंह भटनागर पुत्र स्व0 श्री लक्षमण सिंह भटनागर निवासी रंजीत कालोनी मालवीय रोड बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती पोस्ट पुरानी बस्ती जिला बस्ती
प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 05–04–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हितु सन्दहित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–19/2024
मूलवाद सं0– 221/2017
1. रहमतुल्लाह उम्र 57 साल पुत्र मगरे साकिन चिरई पाघा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 2. रेखा उम्र 37 साल पत्नी तेजप्रीत साकिन तुर्किया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 3. दिनेश उम्र 32 साल पुत्र रामरतन सोनी साकिन असनहरा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–विपक्षी/प्रतिवादीगण
तारीख पेशी 27–02–2025
चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्मित करने के लिये 2025 के माह 02 के 27 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुमी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

घायल कार्यकर्ता का हाल जानने अस्पताल पहुंचे भाजपा नेता, सपा कार्यकर्ताओं ने किया था हमला

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में घायल भाजपा कार्यकर्ता बब्बन तिवारी का हाल जानने पूर्व सांसद लल्लू सिंह, पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू व पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय समेत अन्य भाजपा नेता जिला अस्पताल पहुंचे। बब्बन लखनऊ से लौटते समय अपने किसी रिश्तेदार से मिलने के लिए खंडासा गए हुए थे। यहां सपा के कुछ कार्यकर्ताओं ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में उनका जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने इलाज किया। इसके बाद उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। मुलाकात के बाद पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता अपने रिश्तेदारी में गए थे। जब वहां से वह वापस जा रहे थे तो रास्ते में सपा के कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया। इन्हें बुरी तरह से पीटा, जिससे इन्हें काफी चोट आई है। प्रशासन मामले में सख्त कार्रवाई कर रहा है। डबल इंजन की सरकार में अपराध व अपराधियों का कोई स्थान नहीं है। पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू ने कहा कि मारपीट में घायल बब्बन तिवारी गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के हैदरगंज के निवासी हैं। इनकी सपा के लोगों ने पिटाई की है। घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। सपा भारी मतों से चुनाव हार रही है। अपनी हार की हताशा को छिपाने के लिए सपाई अराजकता फैला रहे हैं। पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि सपा का स्वभाव अराजकता का रहा है। समाज में भय व्याप्त करना व लोगों को गुमराह करना उनकी पुरानी आदत है। भाजपा की सरकार में किसी भी प्रकार के अपराध करने वाले बख्शा नहीं जाएगा। पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल ने कहा कि चुनाव में अराजकता फैलाना सपा का पुराना इतिहास रहा है। पूरे मामले में ऐसी कार्रवाई होगी, जो नजीर बनेगी। इस अवसर पर कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, सुनील तिवारी शास्त्री, परमानंद मिश्र, गिरीश पांडेय डिप्पुल, करुणाकर पाण्डेय व पवन तिवारी मौजूद रहे।